

भारतीयदर्शनम्/ भारतीयदर्शन

(347)

शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्रम्/

शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्र

पूर्णांकः/ पूर्णांक – 20

निर्देशाः (i) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः। प्रश्नानुसारम् अङ्काः समक्षे निर्देशिताः।

(ii) उत्तरपुस्तिकायाः प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमांकसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।

निर्देशः (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2

(क) सांख्यमते पुरुषस्य स्वरूपं लिखत। (दृष्टव्य-1)

(ख) सांख्यदर्शनस्य आचार्याणां ग्रन्थानां च विषये लिखत। (दृष्टव्य-1)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) सांख्य दर्शन के मत में पुरुष के स्वरूप को लिखिए। (देखें पाठ-1)

(ख) सांख्य दर्शन के आचार्यों के ग्रंथों के विषय में लिखिए। (देखें पाठ-1)

2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2

(क) सांख्यमते गुणत्रयस्वरूपं प्रतिपाद्यताम्। (दृष्टव्य-2)

(ख) प्रकृतेः प्रवृत्तिः किमर्था इति विचार्यताम्। (दृष्टव्य-2)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) सांख्य दर्शन में गुणत्रय के स्वरूप को प्रतिपादित कीजिए। (देखें पाठ-2)

(ख) प्रकृति की प्रवृत्ति पर विचार कीजिए। (देखें पाठ-2)

3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2
- (क) अद्वैतवेदान्तमते प्रत्यक्षप्रमाणं विषये टिप्पणी लिखत। (दृष्टव्य-5)
- (ख) गौणमुख्यभेदेन पुरुषार्थान् लिखत। (दृष्टव्य-5)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-
- (क) अद्वैतवेदान्त के मत में प्रत्यक्ष प्रमाण पर एक टिप्पणी लिखिए। (देखें पाठ-5)
- (ख) गौण और मुख्य भेद से पुरुषार्थ को बताइए। (देखें पाठ-5)
4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4
- (क) प्रत्यक्षशब्दस्य प्रयोगः कतिषु केषु च अर्थेषु क्रियते। (दृष्टव्य-6)
- (ख) वेदान्तमते प्रमाभेदान् विवेच्यताम्। (दृष्टव्य-6)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-
- (क) प्रत्यक्ष शब्द के कितने और कौनसे अर्थों में प्रयोग करते हैं। (देखें पाठ-6)
- (ख) वेदान्त के मत में प्रमा के भेदों की विवेचना कीजिए। (देखें पाठ-6)
5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4
- (क) निर्गुणब्रह्मस्वरूपं विषये विवेच्यताम्। (दृष्टव्य-11)
- (ख) मायायाः अनादित्वस्य भावरूपत्वस्य ज्ञाननिवर्त्यत्वस्य च विषये व्याख्यायताम्। (दृष्टव्य-12)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-
- (क) निर्गुण ब्रह्म के स्वरूप की विवेचना कीजिए। (देखें पाठ-11)
- (ख) माया का अनादित्व, भावरूपत्व और ज्ञाननिवर्त्यत्व की व्याख्या कीजिए। (देखें पाठ-12)
6. अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं लिखत। 6
- (क) ब्रह्मणः स्वरूपलक्षणम् अधिकृत्य विस्तरेण व्याख्यायताम्। (दृष्टव्य-11)
- (ख) मायाया त्रिगुणात्मकत्वम् अनिर्वचनीयत्वञ्च इति विषये विवेच्यताम्। (दृष्टव्य-12)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण दीजिए-

(क) ब्रह्म के स्वरूप लक्षण की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए। (देखें पाठ-11)

(ख) माया के त्रिगुणात्मकत्व और अनिर्वचनीयत्व की विस्तार से विवेचना कीजिए।

(देखें पाठ-12)